REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 14 | ISSUE - 8 | MAY - 2025

एनईपी का राजनीतिक मुद्दा और परिपेक्ष्यों को अधिक समावेशी बनाने एवं विविध समझ में योगदान

डॉ. नीना कुमारी
अतिथि शिक्षक, राजनीति विज्ञान, विभाग, रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय,
पटना सिटी, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना.

भूमिका:

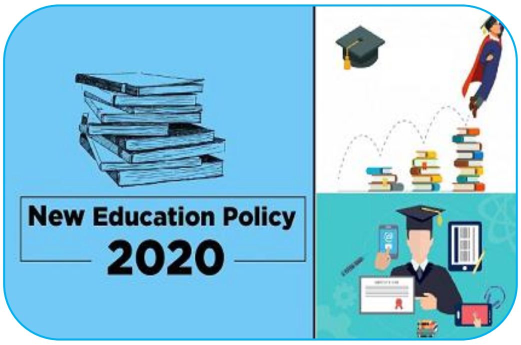

शिक्षा के प्रति एक व्यापक और अंतःविषय दृष्टिकोण को बढ़ावा देने एवं आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करने और समग्र व्यक्तित्व के विकास पर जोर देने के माध्यम से, एनईपी 2020 राजनीतिक विषयों और दृष्टिकोणों के बारे में समावेशी और विविध ज्ञान को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। यह शैक्षणिक समायोजन, पाठ्यक्रम सुधारों और एक ऐसी शैक्षिक प्रणाली की उन्नति के माध्यम से पूरा किया जाता है जो विविधता और सभी छात्रों का सम्मान और संजोए रखती है। एनईपी 2020 शिक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देता है, जो संज्ञानात्मक क्षमताओं के अलावा चरित्र, नैतिक सिद्धांतों और कल्पनाशील रचनात्मकता के विकास पर जोर देता है। एनईपी पाठ्यक्रम में विभिन्न दृष्टिकोणों को शामिल करने को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि अन्य संस्कृतियों, धर्मों, भाषाओं और लिंग पहचानों से। यह एकीकरण विद्यार्थियों को कई दृष्टिकोणों और राजनीतिक स्थितियों की जटिलता को समझने में सहायता करके सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देता है।

एनईपी 2020 बच्चों को विभिन्न दृष्टिकोणों से अवगत कराकर पूर्वाग्रहों और पूर्वधारणाओं को दूर करने का प्रयास करता है, जिससे अधिक विविध और समावेशी समाज को बढ़ावा मिलता है।

एनईपी 2020 एक समावेशी शैक्षिक प्रणाली स्थापित करने का प्रयास करता है जो विविधता को महत्व देता है और सभी बच्चों को उनकी परिस्थितियों या पृष्ठभूमि के बावजूद उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की गारंटी देता है। नीति पूर्वाग्रहों और पूर्वधारणाओं को दूर करने और बाधाओं को दूर करने के लिए संवेदनशीलता कार्यक्रमों का उपयोग करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक छात्र को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पूरी तरह से शामिल होने और अपने समुदायों की उन्नति में योगदान करने का मौका मिले, निष्पक्षता और समावेश के लिए यह समर्पण महत्वपूर्ण है।

एनईपी 2020 एक प्रतिस्पर्धी शिक्षा नीति

भारत की पुरानी शिक्षा प्रणाली में सुधार करने और इसे वर्तमान मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के लिए, 2020 में नई शिक्षा नीति पेश की गई थी। भारत की एनईपी सभी छात्रों के लिए शिक्षा के मानक को बढ़ाने का प्रयास करती है, जिसमें व्यापक विकास और शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन प्रथाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जाता है। नई नीति शैक्षिक परिवर्तन के लिए एक संपूर्ण रोडमैप है, जिसका लक्ष्य भारत की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शामिल मुख्य विषय हैं:

शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच: यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक बच्चे को, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच हो।

पाठ्यक्रम में परिवर्तन: रटने की बजाय अनुभवात्मक शिक्षा की ओर बढ़ना, जिसमें नवाचार, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान पर जोर दिया जाएगा।

कई भाषाओं में शिक्षा: शिक्षा में स्वदेशी भाषाओं और बहुभाषावाद के उपयोग को प्रोत्साहित करना।

डिजिटल लर्निंग: स्कूलों और विश्वविद्यालयों में सीखने को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना।

नई शिक्षा नीति की प्रमुख विशेषताएँ

लचीली शिक्षा प्रणाली: छात्रों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के आधार पर पाठ्यक्रम चुनने की स्वतंत्रता देने के लिए, NEP एक अधिक अनुकूलनीय और समावेशी शैक्षिक प्रणाली की वकालत करता है। यह पहले के लचीले ढांचे से एक बड़ा बदलाव दर्शाता है।

प्रारंभिक बचपन की शिक्षा: NEP प्रारंभिक बचपन की शिक्षा के मूल्य पर ज़ोर देती है और इसका उद्देश्य शुरुआती वर्षों के दौरान बच्चे की शैक्षिक नींव को बढ़ाना है।

शिक्षक प्रशिक्षण: शिक्षक की गुणवत्ता बढ़ाना NEP का एक प्रमुख घटक है। नीति में शिक्षकों को समकालीन निर्देशात्मक रणनीतियों से अवगत रखने के लिए निरंतर शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास पहलों को निर्धारित किया गया है।

प्रौद्योगिकी एकीकरण: NEP शिक्षा और निर्देश में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देता है क्योंकि ऑनलाइन शिक्षा अधिक लोकप्रिय हो रही है। इसका लक्ष्य छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए कक्षा के माहौल को प्रौद्योगिकी के लिए अधिक अनुकूल बनाना है।

समग्र विकास: NEP छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के अलावा उनके सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास पर ध्यान केंद्रित करके उनके समग्र विकास पर ज़ोर देता है।

शिक्षा गुणवत्ता का संदर्भ आधारित मॉडल

नैन्सी फ्रेजर की सामाजिक न्याय की अवधारणाओं को अमर्त्य सेन के क्षमता दृष्टिकोण के साथ जोड़कर, टिकली और बैरेट ने शैक्षिक गुणवत्ता को समझने के लिए एक संदर्भपरक मॉडल बनाया है। उनके अनुसार शिक्षा गुणवत्ता को 'शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं के माध्यम से विभिन्न व्यक्तियों और समूहों को प्रदान की जाने वाली अधिक क्षमता विकसित करने के अवसर' के रूप में परिभाषित किया गया है। वास्तव में, सामाजिक न्याय का दृष्टिकोण शिक्षा की गुणवत्ता को एक ऐसी चीज़ के रूप में देखने में सहायता करता है जो शिक्षा के मूल अधिकार से कहीं आगे जाती है। एक उच्च-गुणवत्ता वाली शैक्षिक प्रणाली को इन तीन परतों द्वारा परिभाषित किया जाता है, बशर्ते कि वे चरित्र में सहायक हों:

- नीतिगत वातावरण, जिसमें राष्ट्रीय और/या राज्य स्तर पर सरकारी खिलाड़ी और प्रक्रियाएँ शामिल हैं,
- पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों, नीति निष्पादन और स्कूल को नियंत्रित करने वाले अन्य नियमों के संबंध में स्कूल का वातावरण, और
- परिवार और समुदाय जो भूमिकाएँ निभाते हैं, साथ ही शैक्षिक प्रणाली में उनकी भागीदारी के संबंध में घर और पड़ोस का वातावरण।

एनईपी के राजनीतिक पहलू:

शिक्षा के अधिकार:

एनईपी सभी बच्चों को शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए एक राजनीतिक उपकरण है।

- **सामाजिक न्याय:**
  नीति सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने के लिए भी है।
- **आर्थिक विकास:**
  एनईपी देश के आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।
- **राजनीतिक सहमति:**
  एनईपी को विभिन्न राजनीतिक दलों और समूहों से समर्थन प्राप्त है।

NEP 2020 और समावेशी शिक्षा

यह नीति शिक्षा प्रणाली को सभी छात्रों के लिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लिंग, आर्थिक स्थिति या विकलांगता कुछ भी हो, समान और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

समावेशी शिक्षा का अर्थ:

- हर बच्चे को एक ही शिक्षा प्रणाली में शामिल होना, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो।
- सभी के लिए समान सीखने के अवसर।
- विभिन्न क्षमताओं वाले छात्रों के लिए अनुकूलित शिक्षण और समर्थन।
- शैक्षिक बाधाओं को दूर करना और सभी के लिए पहुँच योग्य वातावरण बनाना।
- शिक्षकों और स्कूल के वातावरण को विविध छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित करना।

NEP 2020 में समावेशी शिक्षा के लिए प्रावधान

NEP 2020 सभी छात्रों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने पर जोर देता है, भले ही वे किसी भी जाति, धर्म या आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित हों।

- **शिक्षक शिक्षा में सुधार:**

  NEP 2020 समावेशी शिक्षा के सिद्धांतों को शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में शामिल करने पर जोर देता है ताकि शिक्षक सभी छात्रों की विविध जरूरतों को पूरा कर सकें।

- **सहायक संसाधन और उपकरण:**

  NEP 2020 स्कूलों को विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए सहायक उपकरण और संसाधन प्रदान करने का समर्थन करता है, ताकि वे सीखने की प्रक्रिया में बेहतर ढंग से भाग ले सकें।

- **सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग:**

  NEP 2020 समावेशी शिक्षा के लिए सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है, ताकि सभी छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।

- **सामुदायिक भागीदारी:**

  NEP 2020 समावेशी शिक्षा के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है, ताकि माता-पिता, समुदाय के सदस्य और अन्य हितधारक शिक्षा प्रणाली में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

- **विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम (RPAWD) के साथ समन्वय:**

  NEP 2020 2016 के RPDW के साथ समन्वय करता है, जो विकलांग व्यक्तियों के लिए शिक्षा के अधिकार को मान्यता देता है।

समावेशी शिक्षा के लाभ:

- **सभी छात्रों को समान शैक्षिक अवसर:**

  सभी छात्रों को उनकी क्षमताओं के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिलता है।

- **बेहतर शिक्षण परिणाम:**

  समावेशी शिक्षा में, सभी छात्रों को उनके सीखने की प्रक्रिया में बेहतर ढंग से सहायता मिलती है, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त होती है।

- **सामाजिक समावेश:**

  समावेशी शिक्षा छात्रों को एक साथ रहने और एक-दूसरे से सीखने में मदद करती है, जो एक अधिक समावेशी समाज बनाने में मदद करता है।

- **सामाजिक-आर्थिक विकास:**

  समावेशी शिक्षा सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

- **खुशी और आत्मविश्वास:**

  समावेशी शिक्षा छात्रों को अधिक खुश और आत्मविश्वास महसूस करने में मदद करती है, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें उनकी क्षमताओं के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

निष्कर्ष:

NEP 2020 समावेशी शिक्षा के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है, जो सभी छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करता है। यह नीति शिक्षा प्रणाली को सभी छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, चाहे उनकी जाति, धर्म, लिंग, आर्थिक स्थिति या विकलांगता कुछ भी हो। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, भारत भर के परिवारों में विकास का एक प्रमुख उत्प्रेरक है। NEP 2020 हमारे स्कूली शिक्षा प्रणाली में ढांचागत समर्थन के माध्यम से समावेशी शैक्षिक संरचना और समावेशी शैक्षिक संस्कृति को विकसित करने और सभी व्यक्तियों के लिए सम्मान, सहानुभूति, सहिष्णुता आदि जैसे मानवीय मूल्यों पर सामग्री को शामिल करते हुए पाठ्यक्रम में संगत परिवर्तन करने पर जोर देता है। NEP विशेष जरूरतों वाले बच्चों को शिक्षा के सभी स्तरों पर अन्य बच्चों को प्रदान की जाने वाली समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्व को पहचानता है। यह नीति सुनिश्चित करती है कि विशेष जरूरतों वाला हर बच्चा सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का हकदार है।

संदर्भ सूची:

1. https://www.google.com/search?q=NEP+contributes+more+inclusive+and+diverse+understanding+of+political+issues+and+perspectives+pdf&oq=NEP+contributes+more+inclusive+and+diverse+understanding+of+political+issues+and+perspectives+pdf&aqs=chrome..69i57.77976j1j15&sourceid=chrome&ie=UTF-8
2. https://www.perfecttutor.in/blog-details/education-policy-in-india-nep-impact
3. https://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/13603116.2023.2295907#d1e189
4. https://www.ijraset.com/research-paper/nep-2020-and-inclusive-education-in-india
5. https://www.researchgate.net/publication/374813782_Inclusive_Education_regarding_NEP-2020_Challenges_and_Remedies